फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 94 प्रभात जयपुर, मंगलवार 3 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Baby Mat Bolna

"Mere ko baby mat bolna." (Me, to a gentleman on a chat app, 2022)

Check Whether a Garment Will Fit You

The Companion But 'Doing Nothing'

The Man Who Got Rich by Doing Nothing: A Japanese Lesson in Presence

कांग्रेस उल्लासित है, रामलीला मैदान की रैली और प्रदर्शन से

कांग्रेस खेमा मानता है कि जे पी आंदोलन के बाद पहली बार दिल्ली में इतनी बड़ी रैली हुई है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। राहुल गांधी इंडिया गठबंधन में विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने वाले नेता के रुप में उभरे हैं। उनकी अगुवाई में रामलीला मैदान में हुई रैली लंबे समय बाद देश में जुटी सबसे बड़ी राजनीतिक भीड़ में से एक बताई जा रही है। इसकी तुलना संभवत: जेपी आंदोलन के बाद हुई बड़ी जनसभाओं से की जा सकती है।

- **कांग्रेस खेमे ने दावा किया कि इंडिया ब्लॉक के नेता, जो पहले राहुल का नेतृत्व स्वीकार करने पर हिचक रहे थे, उनमें अब राहुल के रथ पर सवार होने की होड़ है।**
- **कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि इस आंदोलन की गति और माहौल को कैसे कायम रखा जाए और कैसे सुनिश्चित किया जाए कि यह संदेश हर गाँव, हर ब्लॉक व हर घर तक पहुँचे, क्योंकि कांग्रेस का मत है, ''वोट चोरी'' पर सरकार के साथ लड़ाई लम्बी चलेगी।**

सूत्रों के मुताबिक, रैली में उमड़ी भारी भीड़ ने जहां मोदी सरकार को झकझोर दिया है, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी इस बात पर गहराई से विचार कर रहा है कि जेन-ज़ी का एक बड़ा वर्ग सरकार के खिलाफ क्यों हो गया है। उसके सामने सवाल है कि तेजी से घटती सरकार की विश्वसनीयता को फिर से कैसे बहाल किया जाए।

राहुल गांधी विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बस में सबसे आगे बैठे थे और उनके साथ ही रामलीला मैदान पहुंचे। इस घटनाक्रम से यह संदेश भी मिला है कि जो नेता पहले राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने में हिचकिचाते थे, उनमें से कई ने अब अपना रुख पूरी तरह बदल लिया है। उन्हें लगने लगा है कि राहुल एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनंता रिसॉर्ट वाले गोयल फैशन्स के रियायती पैकेज पर रोक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 2 नवंबर। आईएएस शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी आईपीएस प्रशाखा माथुर ने उदयपुर-अलवर में जिस अनंता रिसॉर्ट में तथाकथित 40 विला खरीदे थे, उस कंपनी, ''गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड''को स्वीकृत रियायती पैकेज पर राजस्थान सरकार ने रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में मामला आने के बाद उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने यह निर्णय किया। अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्रारंभिक जांच संबंधी कार्यवाही पूरी होने तक इस कंपनी को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत स्वीकृत परिलाभ और छूट का लाभ नहीं मिलेगा।

- **भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जाँच पूरी होने के बाद आगे की कार्यवाही तय होगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उमर अब्दुल्लाह की शादी गैर कानूनी है'

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अनुसार, उमर की शादी शरिया के अनुसार नाजायज़ है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा पत्रकार निधि राजदान से शादी की घोषणा किए जाने के दो दिन बाद धार्मिक विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इस विवाह को इस्लामी सिद्धांतों के तहत अवैध बताया है।

रजवी ने कहा कि इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार, इस विवाह को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि शरीयत के तहत शादी को मान्यता देने के लिए दोनों का मुस्लिम होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला मुस्लिम हैं, लेकिन निधि राजदान मुस्लिम नहीं हैं। इसलिए इस्लामी दृष्टिकोण से यह विवाह स्वीकार्य नहीं है।

- **जमात के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शाहबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने कहा कि शादी में दोनों का मुसलमान होना ज़रूरी है।**
- **उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्लाह की कथित पत्नी निधि राजदान ने इस्लाम नहीं अपनाया है, इसलिए इस्लाम में इस विवाह की इजाज़त नहीं दी जा सकती है।**

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मौलाना ने कहा कि उमर अब्दुल्ला को निकाह से पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि निधि राजदान इस्लाम अपना लें।

उन्होंने कहा कि यदि निधि राजदान इस्लाम कबूल कर लेतीं और दोनों का विवाह इस्लामी रीति-रिवाजों तथा परंपराओं के अनुसार होता, तो इस शादी को शरीयत के तहत जायज माना जा सकता था।

अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए रजवी ने कहा कि इस्लाम में विवाह के लिए विशेष नियम और शर्तें निर्धारित हैं, जिनके अनुसार, पुरुष और महिला दोनों का मुस्लिम होना आवश्यक है।

उन्होंने कहा, यदि दोनों में से कोई एक मुस्लिम नहीं है, तो इस विवाह को वैध नहीं माना जा सकता। उन्होंने उमर अब्दुल्ला की शादी पर अपनी आपत्ति दोहराई।

मोदी और अमित शाह यूपी चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करेंगे

भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव को ''मिशन 2027'' नाम दिया है, जिसके तहत मोदी पूरे राज्य में विशाल जनसभाएं करेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। दिवाली के बाद भाजपा, उत्तर प्रदेश में तीन स्तरों पर व्यापक चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेगी। इसका उद्देश्य बड़ी चुनावी सभाओं, संगठन को मजबूत करने और क्षेत्रीय, जिला तथा विधानसभा स्तर पर लोगों तक सीधे पहुँच बनाकर शुरुआती बढ़त हासिल करना है।

- **केन्द्रीय गृह मंत्री संगठन और माइक्रो मैनेजमैंट संभालेंगे और जमीनी स्तर पर पार्टी की तैयारियों को देखेंगे।**
- **विशेषज्ञों का कहना है कि इस पूरी कवायद में कहीं न कहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को साइडलाइन करने का प्रयास किया गया है।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''मिशन 2027'' का मुख्य चेहरा होंगे। वे राज्य के सभी 18 प्रशासनिक मंडलों में बड़ी चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। इसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाना, अपने समर्थकों का आधार मजबूत करना और पार्टी का संदेश, सीधे मतदाताओं तक पहुंचाना है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह संगठनात्मक और सूक्ष्म प्रबंधन (माइक्रो मैनेजमैंट) का काम संभालेंगे। वे क्षेत्रवार रैलियों और बूथ स्तर के सम्मेलनों का नेतृत्व करेंगे, ताकि जमीनी स्तर पर पूरी तैयारी सुनिश्चित हो सके। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। वे राजनीतिक संपर्क, चुनावी सभाओं और संगठन से जुड़े कार्यक्रमों की देखरेख करेंगे।

20 नवंबर के बाद, इस अभियान में तेजी आएगी, जब पार्टी की बूथ स्तरीय मशीनरी पूरी तरह सक्रिय हो जाएगी। प्रस्तावित योजना के तहत, बूथ कार्यकर्ता और छोटी टीमें कम से कम 50 परिवारों से संपर्क करेंगी। इस दौरान सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और मतदाताओं से सीधे बातचीत करने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही, 3 से 5 नवंबर तक ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' के नारे के तहत, छह क्षेत्रों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। हर पदयात्रा में 25,000 या इससे अधिक लोगों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, युवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी लालू यादव से मिलने गईं

नई दिल्ली, 02 नवंबर। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के कार्यकाल की पुरानी यादें ताजा कीं और मनरेगा, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) तथा सूचना का अधिकार (आरटीआई) जैसे कानूनों के लागू होने से जुड़े अनुभव साझा किए।

- **लालू की बेटी सांसद मीसा भारती के आवास पर यह मुलाकात हुई।**

सोनिया ने लालू से उनकी बेटी एवं सांसद मीसा भारती के आवास पर मुलाकात की।

लालू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा कि सोनिया गांधी उनके आवास पर पहुंचीं और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान पुराने दिनों की यादें ताजा हुईं।

इस मुलाकात पर तेजस्वी यादव ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश के दो अनुभवी नेताओं की यह मुलाकात पारिवारिक और आत्मीय रही। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे के सुख-दुख में मजबूती से साथ खड़े रहे हैं।

भाजपा ने कहा, राहुल की सभा की तस्वीरें फ़र्ज़ी हैं

भाजपा ने रामलीला मैदान में भीड़ उमड़ने के कांग्रेस के दावे पर प्रश्न चिह्न लगाकर सभा को ''फ्लॉप शो'' करार दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। भाजपा ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित राहुल गांधी की रैली को लेकर उन पर और कांग्रेस पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने रैली को पूरी तरह विफल बताते हुए भीड़ की संख्या को लेकर कांग्रेस के दावों पर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के भाषण के दौरान लोग मैदान छोड़कर जाने लगे। इसके जवाब में कांग्रेस ने रैली में मौजूद भीड़ के ड्रोन फुटेज जारी किए, जिससे भीड़ की संख्या को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित रैली में जुटी भीड़ की तस्वीर को लेकर कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने इसे आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (एआई) से बनाई गई तस्वीर बताया। कांग्रेस सांसद वामसी गड्डम और पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा शेयर की गई इस तस्वीर में रैली में मौजूद भीड़ दिखाई गई थी। इस पर रिजिजू ने कहा कि भीड़ दिखाने के लिए विपक्षी पार्टी को एआई से बनाई गई तस्वीरों का सहारा लेना पड़ा।

- **भाजपा ने कहा, जब राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, तब लोग रामलीला मैदान छोड़ कर जा रहे थे।**
- **केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने आरोप लगाया कि रामलीला मैदान में भीड़ की तस्वीरें एआई से बनाई गईं थीं।**
- **इसके जवाब में कांग्रेस ने सभा की ड्रोन से खींची गई तस्वीरें जारी कीं।**

रिजिजू ने तेलंगाना से कांग्रेस सांसद द्वारा साझा की गई तस्वीर को अपने एक्स पोस्ट पर शेयर करते हुए लिखा, ''रामलीला मैदान को भरा हुआ दिखाने के लिए बनाई गई नकली एआई तस्वीर भी कांग्रेस पार्टी की झूठी कहानी गढ़ने वाली टीम ने ठीक से नहीं बनाई है।''

भाजपा नेता संबित पात्रा ने भी चुनाव आयोग की स्पैशल इंटैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) प्रक्रिया से जुड़े मतदाताओं के नाम हटाए जाने और वोटों की चोरी के आरोपों को लेकर राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर पलटवार किया है।

भाजपा ने कहा है कि दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष की रैली पूरी तरह विफल रही और राहुल गांधी के भाषण के दौरान लोग मैदान छोड़कर चले गए। पार्टी ने कहा, ''कांग्रेस ने दावा किया था कि रैली में 10 लाख लोगों की भीड़ जुटेगी, लेकिन मैदान का 40 प्रतिशत हिस्सा खाली था।'' पार्टी ने कहा कि रैली में जो भीड़ दिखाई गई थी, वह ''ट्रिक फोटोग्राफी'' (चालाकी से ली गई तस्वीरें) थी। इस तरह की चालों से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता।''

पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव में गड़बड़ी के आरोप ''रामलीला मैदान से नहीं लगाए जाते।''

उन्होंने कहा, ''चुनावों को चुनौती चुनाव के तुरंत बाद दी जाती है, इस तरह नहीं..... मुझे वह याचिका दिखाइए, जो आपने 2024 के चुनाव को अवैध बताने क लिए दायर की है।''

उन्होंने आगे कहा, ''राहुल गांधी ने दो बार इस रैली की तुलना शिवजी की बारात से की। उन्हें शिवजी की बारात और शिव तांडव में फर्क ही नहीं पता..... अगले चुनाव में आप जनता का तांडव देखेंगे।'' उन्होंने यह भी बताया कि ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद हुई थी।

रविवार को रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा था कि 2024 के चुनाव अवैध थे, क्योंकि ज्ञानेश कुमार ने वोटों की चोरी की थी।

उन्होंने आगे कहा, ''किसानों को उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। मजदूर को उसके अधिकार नहीं मिल रहे हैं और देश की सारी संपत्ति दो-तीन लोगों के हाथों में चली गई है। हम ऐसा भारत नहीं चाहते और न ही इसे स्वीकार करेंगे।''

विरोध रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी सहित, विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए।

कोटा : जेईई की तैयारी कर रहे छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 2 नवम्बर (निसं)। कोचिंग सिटी कोटा से एक बार फिर एक कोचिंग छात्र की आत्महत्या का दुखद मामला सामने आया। उत्तरप्रदेश के जौनपुर का छात्र इंजीनयरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

जवाहर नगर थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि दोपहर 1.30 बजे के आसपास उन्हें एक छात्र की आत्महत्या के संबंध में सूचना मिली थी। यह छात्र मूल रूप से उत्तरप्रदेश के जौनपुर का निवासी था और बीते 1 साल से कोटा के राजीव गांधी नगर के सिटी पार्क रेजीडैंसी में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की ऑनलाइन पढ़ाई कर रहा था। छात्र ने हॉस्टल ने कमरे के

- **उत्तर प्रदेश के जौनपुर का रहने वाला छात्र हॉस्टल में रह कर ऑनलाइन कोचिंग से तैयारी कर रहा था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुलिस ने भी विरोध प्रदर्शन की राह पकड़ी

दिल्ली के शाहदरा थाने में वकीलों के साथ हुई झड़प के बाद एक एसीपी और एक पुलिस सब इंस्पैक्टर का दंड स्वरूप ट्रांसफर करने के खिलाफ, दिल्ली पुलिस कर्मियों ने मुख्यालय पर प्रदर्शन किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। दिल्ली के पूर्वी इलाके में शाहदरा थाने में हुई झडप के बाद, एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर के दंड-स्वरुप किये गये तबादले के विरोध में दिल्ली पुलिस के जवानों ने आज पुलिस मुख्यालय में प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि वकीलों के दबाव में दोनों अधिकारियों को गैर-कार्यशील इकाइयों में भेजे जाने के फैसले से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय राजधानी की कानून-व्यवस्था केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है।

दिल्ली पुलिस और सिविल सोसायटी, युवाओं तथा वकीलों के बीच टकराव जून में हुये विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत के बाद से बढ़ता रहा है, क्योंकि दिल्ली पुलिस को राजधानी में आंदोलनों और प्रदर्शनों से सख्ती से निपटने के लिए कहा गया था। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के निर्देशों के परिणामस्वरूप, पुलिस की कथित बर्बरता के अनेक मामले सामने आए। इनमें महिला प्रदर्शनकारियों से छेड़छाड़ के आरोप भी शामिल थे।

प्रदर्शन कर रहे पुलिसकर्मियों ने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे बल का मनोबल प्रभावित होगा। शीर्षस्थ सूत्रों के मुताबिक, दोनों अधिकारियों की

- **सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे पुलिस कर्मियों ने ट्रांसफर की इस कार्यवाही को अनुचित और पुलिस बल का मनोबल प्रभावित करने वाला बताया।**
- **विरोध प्रदर्शन को गंभीर कदम मानकर दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार व अन्य विशेष पुलिस आयुक्तों ने आदर्श सभागार में बैठक बुलाई। प्रदर्शन में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हुईं।**

दंडात्मक तैनाती का आदेश गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली पुलिस आयुक्त को दी गई सलाह के बाद जारी किया गया था। वर्दीधारी पुलिस बल का इस तरह खुलकर विरोध करना गंभीर अवज्ञा का मामला माना जा रहा है और इसे हर लिहाज से सरकारी आदेशों के प्रति अनादर के रूप में देखा जा सकता है।

इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों को मनाने और संकट को टालने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

दोपहर बाद के समय तनाव और बढ़ गया। नाराज पुलिसकर्मियों ने मुख्यालय के भीतर धरना दिया और इस कार्रवाही के खिलाफ नारे लगाए। वरिष्ठ अधिकारी बेबस नजर आए, क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने अपना आंदोलन जारी रखा तथा वे पुलिसकर्मी एकता के समर्थन में नारे लगाते रहे।

बताया जा रहा है कि यह पहला मौका है, जब पुलिसकर्मियों ने मुख्यालय के परिसर में प्रवेश कर इस तरह खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन किया है।

स्थिति के गंभीर हो जाने पर, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और सभी विशेष पुलिस आयुक्तों को प्रदर्शनकारियों की शिकायतें सुनने के लिए बैठक बुलानी पड़ी। इसे पुलिस बल के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना बताया गया।

बैठक पुलिस मुख्यालय के ''आदर्श सभागार'' में हुई, जो जल्द ही खचाखच भर गया। विभिन्न जिलों से पुलिसकर्मी वहां पहुंचते रहे। इनमें से बहुत से सादे कपड़ों में थे। उन्होंने बैठक के दौरान अपनी शिकायतें और नाराजगी खुलकर जाहिर की।

मीडिया कर्मियों को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और कई विशेष पुलिस आयुक्त मंच पर बैठे थे और प्रदर्शनकारी कर्मियों से बातचीत करने का प्रयास कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार पुणे के रुबी हॉल अस्पताल में भर्ती

पुणे, 02 नवंबर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता शरद पवार की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें खांसी और कमजोरी की शिकायत थी। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

- **तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण उनका सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा रद्द किया।**

सोमवार को प्रस्तावित शरद पवार का सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा रद्द कर दिया गया। पहले मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को दौरा रद्द होने की वजह बताया गया था। हालांकि, अब बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत खराब होने के कारण यह दौरा रद्द किया गया था। इसके बाद पवार सोलापुर से पुणे पहुंचे, जहां रूबी अस्पताल में उनकी विभिन्न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)